हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 163 | देहरादून, बुधवार, 20 दिसंबर, 2023 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

खेल महाकुंभ युवा खिलाड़ियों के लिए एक उत्कृष्ट मंच : मुख्यमंत्री

8

इन्वेस्टर्स समिट एमओयू के ग्राउंडिंग की मुख्यमंत्री धामी ने की समीक्षा

निवेश हेतु हुए एमओयू को धरातल पर उतारना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में शासन के उच्चाधिकारियों के साथ उत्तराखण्ड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हुए एमओयू के ग्राउंडिंग की समीक्षा की। निवेश हेतु हुए एमओयू को धरातल पर उतारना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए मुख्यमंत्री ने उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा के साथ उनसे सुझाव भी लिये तथा निर्देश दिये कि 15 फरवरी तक अधिक से अधिक प्रस्तावों की ग्राउंडिंग हो। प्रति सप्ताह मुख्य सचिव तथा प्रतिमाह मुख्यमंत्री स्वयं इसकी गहनता से समीक्षा करेंगे। निवेश प्रस्तावों में इकोलॉजी तथा इकोनॉमी के समन्वय के साथ युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि राज्य में स्थापित होने वाले उद्योगों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले निवेश से कितना रोजगार सृजन होगा इसका विवरण तैयार किया जाए। राज्य में निवेश के तहत स्थापित होने वाले उद्योगों से महिला स्वयं सहायता समूहों को भी लाभान्वित किये जाने के प्रयास किये जायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के अधिक से अधिक युवाओं को सौर ऊर्जा तथा पर्यटन नीति के अंतर्गत स्वरोजगार उपलब्ध कराया जाए।

15 फरवरी तक अधिक से अधिक प्रस्तावों की हो ग्राउंडिंग

- प्रति सप्ताह मुख्य सचिव तथा प्रतिमाह मुख्यमंत्री स्वयं करेंगे गहनता से समीक्षा
- समिट में 3.56 लाख करोड़ के 1779 एमओयू हुए हैं हस्ताक्षरित
- ऊर्जा के क्षेत्र में 1.03 लाख करोड़ के 157 तथा उद्योग विभाग से जुड़े 78 हजार करोड़ के 658 करार हैं शामिल

बैठक में बताया गया कि इन्वेस्टर्स समिट में विभिन्न विभागों से सम्बन्धित 3.56 लाख करोड़ के 1779 एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं जिनमें ऊर्जा के क्षेत्र में 1.03 लाख करोड़ के 157 तथा उद्योग विभाग से सम्बंधित 78 हजार करोड़ के 658, पर्यटन के क्षेत्र में 47,646 करोड़ के 437, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में 19,260 करोड़ के 175, आवास एवं नगर विकास के क्षेत्र में 41,947 करोड़ के 62, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में 25,785 करोड़ के 39, आयुष एवं वेलनेस के क्षेत्र में 17,058 करोड़ के 77 करार शामिल हैं। राज्य में निवेशकों की सुविधा के लिये उत्तराखण्ड सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ इन्वेस्टमेंट, स्टार्ट अप एंड इन्टरप्रिन्योरशिप का गठन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने इन्वेस्टर्स समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिये हम सबके प्रयासों को हर क्षेत्र में सराहा गया है। अब हम सबका दायित्व है कि इन्हें राज्य हित में जमीनी हकीकत में बदला जाय। उन्होंने सभी के सुझावों को ताकत बताकर इसे अवसर में बदलने की भी अपेक्षा की। उन्होंने राज्य हित से जुड़े जरूरी प्रस्तावों को प्राथमिकता देने की भी बात कही।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि सभी विभागीय अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि पहाड़ों के विकास के लिये प्राप्त निवेश प्रस्तावों से क्या बेहतर किया जा सकता है। युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध हों इसके लिये रोजगार सृजन पर भी फोकस किया जाय।

मुख्यमंत्री ने लोकल उत्पादों को बेहतर बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी प्रभावी कार्य योजना बनाने को कहा। सौर ऊर्जा क्षेत्र में निवेश प्रस्तावों पर भी विशेष ध्यान देने पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा नीति के तहत अधिक से अधिक युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के प्रयासों पर भी ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि हमारे लिये छोटे निवेशक भी महत्वपूर्ण हैं। मुख्यमंत्री ने उद्यमियों से मानवीयता तथा शिष्टता के साथ देवभूमि के आचरण के अनुकूल व्यवहार पर भी ध्यान देने को कहा, तभी अधिक से अधिक उद्यमी राज्य में निवेश के प्रति आकर्षित होंगे।

मुख्यमंत्री ने हरिद्वार एवं ऊधमसिंह नगर में आयोजित निवेशकों की बैठकों में प्राप्त निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडिंग पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने इस संबंध में होने वाली अगली बैठक में जिलाधिकारियों को वर्चुअली शामिल किये जाने के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंतनगर हवाई अड्डों के विस्तार, ऋषिकेश अथवा किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर कन्वेंशन सेंटर के निर्माण की दिशा में भी तेजी के कार्य किया जाये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून की स्थिति में काफी सुधार हुआ है यह आगे भी बरकरार रहे तथा शहर के विकास के कार्य निरंतर चलते रहें यह भी हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने राज्य में हो रहे मानव वन्य जीव संघर्ष को कम किये जाने पर भी प्रभावी कार्य योजना बनाने को कहा। बैठक में अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, आनन्द वर्धन, प्रमुख सचिव आर.के सुधांशु सचिव मुख्यमंत्री आर. मीनाक्षी सुंदरम, शैलेश बगौली, विनय शंकर पाण्डेय, वन प्रमुख (हॉफ) अनूप मलिक, सचिव बी.वी.आर.सी पुरुषोत्तम, अरविंद सिंह ह्यांकी, एस.एन. पाण्डेय, उपाध्यक्ष मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण एवं महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा बंशीधर तिवारी सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : अब और बढ़ेगी ठंड, इन जिलों में कोहरा और पाला गिरने की चेतावनी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 दिसंबर : उत्तराखंड में ठंड का प्रकोप बढ़ने के साथ ही बाजारों की रौनक गायब होने लगी है। पर्वतीय इलाकों में बारिश-बर्फबारी के बाद कड़ाके की ठंड पड़ रही है। लोग घरों में कैद होने के मजबूर हैं। कुछ दिनों से मौसम शुष्क है, लेकिन पाला और कोहरा परेशानियां बढ़ा रहा है। देहरादून समेत ज्यादातर शहरों में न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस तक नीचे पहुंच गया है। वहीं, अधिकतम तापमान भी सामान्य के आसपास बना हुआ है। देहरादून समेत प्रदेश के तमाम क्षेत्रों में ठंड बढ़ती जा रही है। हालांकि, दिन में चटख धूप खिलने से कुछ राहत है।

दून में न्यूनतम पारा छह डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, पहाड़ों में पाला और मैदानी क्षेत्रों में कोहरा छाया रह सकता है। इसे लेकर चेतावनी जारी की गई है। पर्वतीय क्षेत्रों में अत्यधिक

पाला पड़ने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मैदानी क्षेत्रों खासकर ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार में मध्यम कोहरा छाने की संभावना है। पिछले दिनों उत्तराखंड में खूब बारिश और बर्फबारी हुई। जिसका असर निचले इलाकों में भी महसूस किया जा रहा है। उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अब झरने और पानी के स्त्रोत पूर्ण रूप से जम गए हैं। कड़ाके की ठंड से अब लोगों को परेशानी भी होने लगी है। मैदानी क्षेत्रों में कोहरे के चलते दिक्कतें बढ़ी हैं। वाहन चालकों को सावधान रहने की सलाह दी गई है।

वॉल पेंटिंग का अवलोकन

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय स्थित ए.पी.जे. अब्दुल कलाम भवन के भूतल पर लगायी गयी वॉल पेंटिंग का अवलोकन किया। महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित बाल देख रेख संस्था के बच्चों द्वारा तैयार की पेंटिंगों की मुख्यमंत्री ने प्रशंसा करते हुए संस्था के बच्चों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन पेंटिंग में प्रकृति के सौंदर्य के प्रति बालमन की कल्पनाओं के सजीव दर्शन होते हैं।

कार चलाने वालों ठक-ठक गैंग से सावधान !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , दिल्ली के ठक-ठक गैंग ने कई राज्यों की पुलिस की नाक में दम करके रख दिया है. गाजियाबाद से देहरादून और गुरुग्राम से दिल्ली तक इस गैंग के गुर्गों ने लूट मचा रखी है. पुलिस का डंडा चलता है तब लुटेरे अंडरग्राउंड हो जाते हैं. अगर आप भी दिल्ली-एनसीआर में कार में सफर करते हैं तो सावधान हो जाइए. ये खबर आपके लिए ही है. यहां हम आपको आगाह कर रहे हैं खुले आम दिन दहाड़े दस्तक देकर लूटपाट करने वाले ठकठक गैंग से जिसके गुर्गों की तेज निगाहें आपके लैपटॉप, मोबाइल और बैग को पार करने के लिए हमेशा आपकी कार में लगी हैं. ये इतने शातिर होते हैं कि ये देखते-देखते आपकी आंख से काजल चुरा लेंगे और आपको पता भी नहीं चलेगा.

ठक-ठक गैंग से बचके !

आप भले ही अपना मोबाइल और बैग रखकर भूल गए हों कि गाड़ी के अंदर रखा है कहा जाएगा? लेकिन ठकठक गैंग के लोगों को मानो सब पता होता है कि आपने अपना मोबाइल या लैपटॉप या पैसों से भरा बैग कहां रखा है. इन लोगों की बाज जैसी निगाहें, चीते जैसी फुर्ती और लोमड़ी जैसा खुराफाती दिमाग आपके हर कीमती सामान पर लगा होता है. इस गैंग के गुर्गे इतने शातिर होते हैं कि बस पलक झपकते ही आपका बैग छीन लेंगे. घड़ी, चैन और मोबाइल लेकर चल देंगे और आप बस देखते रह जाएंगे.

ट्रैफिक सिग्नल हो या हाट बाजार या फिर कोई भी इलाका हर जगह ये गैंग मौजूद है. ये दुर्भाग्य है कि तीन-तीन राज्यों की पुलिस (दिल्ली, यूपी और हरियाणा) मिलकर इन्हें जड़ से खत्म नहीं कर पाई है.जिन्हें लोगों की कार में रखा सामान लूटने में महारथ हासिल है. इस गैंग के सदस्य ठक-ठक करके आपके पास आएंगे, भाई साहब बोलते हुए एक इशारा करेंगे और आप जबतक कुछ समझ पाएंगे, तब तक वो निकल जाएंगे.

कैसे काम करता है ये गैंग?

अमूमन इस गैंग के लोग समूह में वारदात को अंजाम देते हैं. कम से कम दो या कभी कभार उससे ज्यादा भी हो सकते हैं. इस गैंग का एक गुर्गा रैंडमली अपना शिकार करने के लिए आगे बढ़ता है. महिला हो या पुरुष 'भाई साहब', 'भैया', 'मैडम' और 'दीदी' 'जैसे संबोधन के साथ कहेगा कि आपकी कार के इंजन से ऑयल निकल रहा है'... प्लीज चेक कर लीजिए नहीं तो आग लग सकती है. उसकी चेतावनी पर जिसने भी कार से उतरकर बोनट खोला और तेल चेक किया, उतनी देर में कांड हो जाएगा. यानी वो या उसका कोई साथी आपका बैग/ सामान लेकर फरार हो जाएगा. इनका गैंग बातें बनाने में इतना शातिर होता है कि कोई भी इनके झांसे में आ जाए.

सर्दियों में ड्राई फ्रूट खाने के गजब फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , सर्दी शुरू होते ही लोगों के पहनावे और खान-पान में भी बदलाव आ जाता है। जलवायु परिवर्तन का पहला प्रभाव छोटे बच्चों में खांसी और नाक बहने के रूप में दिखाई देता है। चूंकि बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, इसलिए माता-पिता समय के साथ उनके आहार में कुछ महत्वपूर्ण बदलाव करना शुरू कर देते हैं। सूखे मेवे भी ऐसे परिवर्तनों के अधीन हैं। सूखे मेवे खाना न सिर्फ पोषक तत्वों का भंडार है बल्कि बच्चों के संपूर्ण मानसिक और शारीरिक विकास के लिए भी जरूरी माना जाता है। आइए जानें सर्दियों में बच्चों को सूखे मेवे खिलाने के क्या फायदे हैं और उन्हें सही तरीके से कैसे खिलाएं।

खजूरः-

ठंड के मौसम में बच्चों को वायरस से बचाव के लिए खजूर खाने की सलाह दी जाती है। खजूर विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं जो शरीर की गर्मी बनाए रखने और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करते हैं।

कड़े छिलके वाला फल :-

नट्स खनिज, प्रोटीन और विटामिन से भरपूर होते हैं। सर्दियों में बच्चों को अखरोट देने से न सिर्फ उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है बल्कि उनकी त्वचा भी हाइड्रेटेड रहती है।

ऊर्जा स्तरः-

बच्चे सारा दिन इधर-उधर भागते रहते हैं और इसके लिए बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। ऐसे में सूखे मेवे बच्चों के खेल और शारीरिक विकास के लिए ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। बादाम, काजू, पिस्ता और अखरोट जैसे सूखे फल कैलोरी में उच्च होते हैं और बच्चों को पर्याप्त ऊर्जा प्रदान कर सकते हैं।

जिसे आप गैस का दर्द समझ रहे कहीं वो Heart Attack का लक्षण तो नहीं

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 20 दिसंबर : हृदय की समस्या की समय पर पहचान करने के लिए पटियाला के मणिपाल हॉस्पिटल के वरिष्ठ सलाहकार इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी डॉ. संदीप ठक्कर ने यहां पांच मेडिकल टेस्ट बताए हैं, जिनसे अनुमान लगाया जा सकता है, कि व्यक्ति को हृदय रोग है, या नहीं ,ईसीजी हृदय की इलेक्ट्रिक गतिविधि को रिकॉर्ड करता है। यह हृदय रोग की जांच के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। ECG मशीन में हृदय के इलेक्ट्रिकल सिग्नल रिकॉर्ड होते हैं, तो रिपोर्ट में वेवफॉर्म के रूप में छप जाते हैं।

इस प्रक्रिया में यह आकलन किया जाता है कि व्यायाम या तनाव के लिए हृदय क्या प्रतिक्रिया देता है। यह व्यक्ति की फिटनेस के बारे में महत्वपूर्ण विवरण देता है और बताता है कि उनके शरीर पर भार पड़ने पर उन्हें छाती में बेचैनी या सांस फूलने की समस्या होती है या नहीं। इसका उपयोग कोरोनरी आर्टरी के संकरे होने, उनमें ब्लॉकेज, या अन्य समस्याओं का पता लगाने के लिए किया जाता है। इसमें हृदय की पेशी में रक्तसंचार का परीक्षण होता है। यह कार्डियोलॉजी में एक महत्वपूर्ण डायग्नोस्टिक उपकरण है, और डॉक्टरों को यह तय करने में मदद करता है व्यक्ति के लिए कौन सा इलाज किया जाना चाहिए।

इस इमेजिंग तकनीक का उपयोग हृदय की संरचना और संचालन देखने के लिए किया जाता है। इससे हृदय एवं उसके चारों ओर की रक्त वाहिनियों का विस्तृत चित्र मिल जाता है, और यह आकलन करने में मदद मिलती है कि हृदय कितनी अच्छी तरह से खून को पंप कर पा रहा है। ये मेडिकल टेस्ट हृदय की समस्याओं के इलाज और स्वास्थ्य बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं क्योंकि इनसे हृदय की समस्याओं की समय पर पहचान, निदान और इलाज में मदद मिलती है। हृदय की स्थिति की जांच के लिए डॉक्टर विभिन्न तरह के टेस्ट का परामर्श दे सकते हैं, जो विभिन्न तत्वों, जैसे मरीज के लक्षणों और उसकी मेडिकल बैकग्राउंड के आधार पर तय किए जाते हैं। हृदय रोग के शुरुआती संकेतों व लक्षणों को पहचानना और उनके लिए तुरंत डॉक्टर का परामर्श लिया जाना भी बहुत जरूरी है।

अंडे को पूजते रहे लोग, मान रहे थे कुल देवता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , मध्य प्रदेश के धार जिले से एक अनोखा मामला सामने आया है। जहां पाडल्या गांव में लोग जिसे अपना कुलदेवी मानकर पूजन कर रहे थे, दरअसल में वो डायनासोर का अंडा निकला। लोगों को यह विश्वास थ कि यह कुलदेवता उनकी खेती और मवेशियों को जानवरों से बचाएगा। लेकिन जब वैज्ञानिकों ने इसकी जांच-परख की और सच्चाई सामने आई तो इलाके के लोगों को होश ही उड़ गए।

कई गांव के लोग इसे मानने लगे कुलदेवता

दरअसल, पाडल्या गांव गांव में यह मामला गलतफहमी की वजह से सामने आया है। यहां के लोगों को सालों पहले खेत में एक गोलाकार पत्थरनुमा आकृति वाली तो लोग उसे चमत्कार मान अपना कुलदेवता मान बैठे। इसके बाद उसे पूर्वजों के कुलदेवता के रूप में पूजने लगे। ग्रामीण इसे कक्कड़ भैरव कुलदेवता मानते थे। धीरे-धीरे यह बात आसपास के गांव के लोगों को पता चली तो वह भी इसकी पूजा करने लगे। उनका कहना था कि यह कुल देवाता उनकी खेती और मवेशियों को बचाने और उनकी रक्षा करेगा।

वैज्ञानिकों की जांच में हुए चौंकाने वाले खुलासे : बता दें कि कुछ दिन पहले लखनऊ से बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियो साइंसेज (BSIP) लखनऊ के विशेषज्ञ और मध्य प्रदेश वन विभाग के अधिकारी यहां मामला जांचने और सच पता लगाने के पहुंचे। इसके बाद जब विशेषज्ञों ने इस गोल पत्थर को ग्रामीणों से लिया और उसकी जांच पड़ताल की तो पता चला कि यह कोई कुलदेवता की मूर्ति नहीं, बल्कि डायनासोर की टिटानो- सारस प्रजाति के जीवाश्म अंडे हैं। जिसे लोग देवता मान बैठे थे। अब सच पता चलने के बाद भी यहां को लोगों का कहना है कि वह तो अभी इस पत्थर की पूजा करेंगे।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना कार्यों की मुख्य सचिव ने समीक्षा की

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , मुख्य सचिव डॉ. एस.एस. संधु ने सचिवालय में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि योजना के तहत 31 मार्च, 2024 तक फेज 1 और 2 के सभी कार्यों को पूर्ण करने की अंतिम तिथि है, इसके उपरांत राज्य को अपने वित्तीय संसाधनों से योजनाओं को पूर्ण करना होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी सम्बन्धित विभाग अपने आपसी सामंजस्य से कार्यों में आ रही समस्याओं का निराकरण कर सभी कार्य निर्धारित समय पर पूरा करें। उन्होंने कहा कि जिन कार्यों में माननीय सर्वोच्च न्यायालय अथवा उच्च न्यायालय के आदेश के कारण बाधाएं आ रही हैं, ऐसे मामलों में शीघ्र इंटरलोक्यूटरी एप्लीकेशन दाखिल की जाए, साथ ही अपने पक्ष को मजबूती से रखा जाए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि गंभीर समस्या वाले मामलों में विशेष ध्यान देते हुए समस्या के निस्तारण का रास्ता निकाला जाए। कहा कि सभी कार्यों को समय से पूर्ण किया जा सके इसके लिए रूटीन में फाइल चलाने के बजाय, फाइलों का निस्तारण हाथों हाथ कराया जाए। वन विभाग द्वारा जिन कार्यों में सैद्धांतिक स्वीकृति दी जानी है, प्रस्तावों का परीक्षण कर शीघ्र स्वीकृति दी जाए।

इससे पूर्व मुख्य सचिव डॉ. एस. एस. संधु ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की भी समीक्षा की। मुख्य सचिव ने पीएम आवास योजना (ग्रामीण) में राष्ट्रीय रैंकिंग में प्रदेश की प्रथम रैंक आने पर अधिकारियों को बधाई देते हुए अपनी रैंक बरकरार रखे जाने की बात कही। कहा कि योजना से प्रदेश को पूर्ण रूप से आच्छादित किया जाए।

मुख्य सचिव ने सभी प्रभागीय वन अधिकारियों को भी वन भूमि प्रकरणों को तेजी से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने वन मुख्यालय स्तर पर आने वाले मामलों को तेजी से निस्तारित किए जाने के निर्देश दिए। सचिव राधिका झा ने बताया कि योजना के

अंतर्गत सभी कार्य समय से पूर्ण कर लिए जाएंगे। विभाग द्वारा योजना में वित्तीय एवं भौतिक प्रगति बेहतर है। इस अवसर पर वन प्रमुख (हॉफ) अनूप मलिक सहित अन्य उच्चाधिकारी एवं जनपदों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रभागीय वनाधिकारी उपस्थित थे।

लोगों को बताएं सरकारी संकल्प यात्रा में मिल रहे लाभ : मदन कौशिक

हरिद्वार में आयोजित हुआ विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 20 दिसंबर , शहरी क्षेत्रों के अंतर्गत विकसित भारत संकल्प यात्रा हरिद्वार के टिबड़ी और आंबेडकर पार्क-कड़च पहुंची। इस कार्यक्रम में बाल विकास, ग्रामीण, कृषि, स्वास्थ्य आदि विभाग उपस्थित रहे। इन विभागों द्वारा कार्यक्रम में स्टॉल्स भी लगाए गए थे, जिससे लोग जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ले कर लाभान्वित हो सकें। दोनों स्थानों पर संकल्प यात्रा के दौरान लोगों ने विकसित भारत बनाने की शपथ भी ली। इस दौरान मौजूद लोगों को माननीय राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत को लेकर संबोधन सुनाया गया।हरिद्वार में आयोजित संकल्प यात्रा कार्यक्रम में योजनाओं से वंचित कई लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा गया। इस दौरान कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल कार्यक्रम देखा जिसमे वह देश के विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर रहे थे।

मौके पर लोगों को दिया जा रहा योजनाओं का लाभ

दोनों स्थानों पर हरिद्वार के विधायक मदन कौशिक मुख्य अतिथि रहे। इस दौरान उन्होंने लोगों को भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलवाई। कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने आम आदमी को योजनाओं के माध्यम से हर संभव लाभ पहुँचाया है। कौशिक ने कहा कि संकल्प यात्रा में भाग ले कर वंचित लोग सरकार की योजनाओं जैसे उज्ज्वला योजना , जनधन योजना, आयुष्मान योजना आदि का लाभ उठा सकते है और आसपड़ोस के लोगों को भी इस बावत जानकारी

दे सकते हैं। टिबड़ी और आंबेडकर पार्क में आयोजित मुफ़्त चिकित्सा शिविर में 211 लोगों की स्वास्थ्य सम्बन्धी जाँच की गई। साथ ही 15 महिलाओं को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना से जोड़ा गया। पीएम स्वनिधि योजना का लाभ 21 लोगों को दिया गया।यात्रा कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कट आउट विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। इस कट आउट के साथ लोग यादगार के तौर पर तस्वीर भी ले रहे हैं। इसके अलावा कार्यक्रम में लोगों को भारत सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी से युक्त बुकलेट भी वितरित की जा रही हैं।

फिर डरा रहा है कोरोना उत्तराखंड में अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 दिसंबर : कोरोना को लेकर एक बार फिर डराने वाली खबर आई है। केरल में कोरोना का नया वेरिएंट जेएन1 मिला है। जिसके बाद राज्य अपनी ओर से हर सतर्कता बरत रहे हैं। उत्तराखंड में भी इसे लेकर आज एसओपी जारी हो सकती है। केंद्र सरकार ने भी राज्यों को निगरानी बढ़ाने के दिशा निर्देश जारी किए है। इसी कड़ी में बीते दिन राज्य सरकार संदिग्ध लक्षणों वाले लोगों की जांच और निगरानी को लेकर एसओपी जारी कर सकती है।

वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के राज्य अधिकारी डॉ. पंकज सिंह ने बताया कि केरल में कोरोना का नया वैरिएंट मिला है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। हालांकि प्रदेश में अभी तक कोरोना के नए वैरिएंट से संबंधित कोई मामला नहीं है। एहतियात के तौर पर जिलों को निगरानी और जांच के संबंध में पूर्व

की भांति दिशा निर्देश दिए जाएंगे। बता दें कि देश में कोरोना के केसों में एक बार फिर इजाफा होने लगा है। रविवार को कोरोना संक्रमण से पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि 335 नए मामले सामने आए। इस बीच केरल में कोरोना का नया वैरिएंट जेएन.1 मिला है। Coronavirus JN1 Variant के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र ने राज्यों में सख्ती बढ़ाने के निर्देश जारी किए हैं। वहीं, कर्नाटक में 60 वर्ष से अधिक उम्र वालों के लिए मास्क जरूरी कर दिया गया है।

52 मजदूरों को ईंट भट्टे से घर भेजा

रुडक़ी। मंगलोर में ईंट भट्टे से पचास मजदूरों को मुक्त कराकर घर भेजा गया है। मजदूरों ने पुलिस-प्रशासन का धन्यवाद किया है। कोतवाली क्षेत्र के बसवा खेड़ी गांव में एक ईंट भट्टे पर मजदूरों को बंधक बनाने की शिकायत सामाजिक संस्था की ओर से डीएम से की गई थी। डीएम ने जेएम को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद नायब तहसीलदार बृजमोहन आर्य के नेतृत्व में टीम ईंट भट्टे पर पहुंची

मेडिकल स्टोर के कर्मचारी से नशीले इंजेक्शनों की खेप पकड़ी

रुडक़ी। एसटीएफ ने शहर पुलिस के साथ मिलकर मेडिकल स्टोर के कर्मचारी से 550 नशे के इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। उन्हें मेडिकल स्टोर की आड़ में बेचा जाना था। इंजेक्शनों को पुलिस ने सील कर दिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसटीएफ के उपनिरीक्षक विकास रावत, हेड कांस्टेबल सुधीर केसला, कांस्टेबल अमित कुमार, रामचंद्र, राकेश और गंगनहर कोतवाली के राहुल कुमार और अर्जुन सिंह ने तेल्लीवाला रोड से हसीन पुत्र शकील निवासी गांव नौजली थाना नागल जिला सहारनपुर को पकड़ा। पुलिस टीम को देखकर अपने से बैग को फेंक कर वह भाग रहा था। तलाशी लेने पर बैग से नशे के 550 इंजेक्शन बरामद किए।

मेडिकल स्टोर के कर्मचारी से नशीले इंजेक्शनों की खेप पकड़ी

रुडक़ी। एसटीएफ ने शहर पुलिस के साथ मिलकर मेडिकल स्टोर के कर्मचारी से 550 नशे के इंजेक्शन बरामद किए गए हैं। उन्हें मेडिकल स्टोर की आड़ में बेचा जाना था। इंजेक्शनों को पुलिस ने सील कर दिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। एसटीएफ के उपनिरीक्षक विकास रावत, हेड कांस्टेबल सुधीर केसला, कांस्टेबल अमित कुमार, रामचंद्र, राकेश और गंगनहर कोतवाली के राहुल कुमार और अर्जुन सिंह ने तेल्लीवाला रोड से हसीन पुत्र शकील निवासी गांव नौजली थाना नागल जिला सहारनपुर को पकड़ा।

डीजीपी की अभिनव पहल, पुलिस कर्मियों का ट्रेनिंग कैलेंडर बनेगा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , I-Got प्लेटफार्म पर मिशन कर्मयोगी के तहत आधुनिक युग की आवश्यकताओं के मद्देनजर पुलिस बल को प्रशिक्षण देने के लिए अपर पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में तीन शिक्षाविभाग से जुड़े सदस्यों की एक टीम गठित की गयी, जिसे एटीआई नैनीताल के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया है। टीम द्वारा एक सप्ताह के प्रशिक्षण उपरान्त जनपद टिहरी के नरेन्द्र नगर स्थित पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र सहित विभिन्न जनपदों का भ्रमण किया गया तथा प्रशिक्षण की आवश्यकता के सम्बन्ध में गहन अध्ययन किया गया तथा अपनी 10 संस्तुतियॉ दी गयीं। इसी कड़ी में डीजीपी अभिनव कुमार की पहल पर राज्य पुलिस बल को मॉडर्न पुलिसिंग एक्सपर्ट बनाने के लिए Training Need Analysis विषय पर एक प्रस्तुतीकरण पुलिस मुख्यालय में दी गयी जिसको उत्तराखंड पुलिस के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

इस दौरान पुलिस प्रशिक्षकों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी नैनीताल में कराने सहित आधुनिक चुनौतियों, जैसे साइबर क्राइम, फोरेंसिक साइंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, क्रिप्टो करेंसी जैसे विषय आपदा प्रबंधन, सॉफ्ट स्किल, व्यक्तित्व विकास, वीवीआईपी सुरक्षा, महिला अपराध, ई-टेण्डर, चैट-जीबीटी,सर्विलांस, साम्प्रदायिक, सामाजिक उपद्रवों, टूरिस्ट पुलिस जैसे विषयों में और गहन प्रशिक्षण की आवश्यकता बताई गयी है।

पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार ने बताया कि इनमें से कई विषयों में प्रशिक्षण वर्तमान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का हिस्सा पूर्व से हैं तथा इनमें वर्तमान में प्रशिक्षण विभिन्न स्तरों पर दिया जा रहा है तथा सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि इनमें से देख लिया जाये कि वर्तमान

में किन-किन विषयों पर पूर्व से ही प्रशिक्षण दिलाया जा रहा है एवं कब उनका अपडेशन हुआ है तथा शेष की अलग से सूची तैयार कर ली जाय एवं उस पर विचार किया जाये। प्रशिक्षकों, इन-सर्विस व नयी भर्ती हेतु अलग-अलग पाठ्यक्रम तैयार किये जायें।

यह तथ्य संज्ञान में लाया गया कि कई कर्मी कानून व्यवस्था ड्यूटी पर होने के कारण आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में शामिल नहीं हो पाते हैं तथा नयी तकनीक से वंचित रह जाते हैं। इस लिए अब निर्देशित किया गया है कि सभी जनपदों से कानून व्यवस्था ड्यूटी एवं अवकाश पर गये व्यक्तियों का डाटा प्राप्त कर उसके अनुरूप प्रशिक्षण कलैण्डर तैयार कराया जाये एवं इसमें महत्वपूर्ण तिथियों जिनमें कानून व्यवस्था से सम्बन्धित समस्या होती है की अवधि को अलग किया जाये। साथ ही प्रमोशन को प्रशिक्षण से जोड़ा जाये।

पुलिस महानिदेशक ने यह भी निर्देश दिये कि उप निरीक्षक स्तर पर मूल योग्यता स्नातक है, अतः प्रमोशन से उ0नि0 पद प्राप्त करने वाले कर्मियों हेतु एक निश्चित समयावधि निर्धारित करने पर भी विचार कर लिया जाये जिसमें वह मुक्त विश्वविद्यालय अथवा ऑनलाइन आदि जैसे माध्यमों से स्नातक डिग्री प्राप्त कर सके। इस हेतु यदि नियमावली में आवश्यक परिवर्तन किया जाना हो तो वह भी किया जा सकता है। इस हेतु निकटवर्ती तीनों राज्यों के मानकों का अध्ययन कर लिया जाये एवं एक तुलनात्मक चार्ट भी तैयार कर लिया जाये।

नैनीताल में क्रिसमस न्यू ईयर पर उमड़ेगा पर्यटकों का सैलाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनीताल 20 दिसंबर : सरोवर नगरी नैनीताल में इन दिनों मौसम सुहाना बना हुआ है। यहां वीकेंड पर सैलानियों की खासी भीड़ उमड़ रही है। बीते वीकेंड भी यहां खूब गहमागहमी देखी गई। होटलों के अधिकांश कमरे पैक रहे। यहां बीती सुबह से ही सैलानी पहुंचने लगे थे, ये सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। पार्किंग वाहनों से पटी नजर आई। सैलानियों ने सुहाने मौसम के बीच स्नो व्यू, केव गार्डन, हिमालय दर्शन, चिड़ियाघर, वाटर फाल व हनुमानगढ़ी में चहलकदमी की। शहर के समीपवर्ती पर्यटन स्थलों में भी सैलानियों की खूब भीड़ रही। मुक्तेश्वर, रामगढ़, भवाली, कैंची धाम, साततात, पंगोट व भीमताल में काफी संख्या में सैलानी नजर आए। क्रिसमस और न्यू ईयर के मौके पर यहां सैलानी भारी तादाद में पहुंचेंगे। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले दिनों में यहां सूखी ठंड बनी रहेगी। होटल एसोसिएशन के

पीआरओ रुचिर साह के अनुसार क्रिसमस व थर्टी फर्स्ट में पर्यटकों की भीड़ बढ़नी तय है। होटल एसोसिएशन की ओर से माल रोड को बिजली की लड़ियों से सजाया जाएगा। होटल संचालकों ने पर्यटकों के स्वागत के लिए खास इंतजाम किए हैं। क्रिसमस और न्यू इयर पर यहां कई कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पर्यटकों को लुभाने के लिए कई तरह के ऑफर भी पेश किए गए हैं। इसलिए Nainital Hotel Booking एडवांस में करा के ही आएं।

देश में 60 फीसदी आधार कार्ड हो सकते हैं लॉक !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , देश के 60 फीसदी आधार कार्ड लॉक हो सकते हैं. फिर कहीं पर भी आप इनका इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे. इन आधार कार्डों में आप भी तो नहीं शामिल हैं. आपको लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है. मौजूदा समय बैंक में खाता खोलने से लेकर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने तक में आधार नंबर की जरूरत पड़ती है. इसलिए समय रहते आप सचेत हो जाएं और आधार संबंधी औपचारिकताएं जल्द से जल्द पूरी कर लें.यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के अनुसार जिसके आधार कार्ड पुराने हैं और वे अभी तक एक बार भी आधार सेवा केन्द्र में आधार संशोधन के लिए नहीं गए हैं तो तुरंत आधार सेवा केन्द्र पहुंचकर केवाईसी करा लें. क्योंकि पहले कभी भी आप

आधार संशोधन के केन्द्र गए होंगे तो उस समय केवाईसी जरूर हुआ होगा. एनसीआर के सबसे बड़े आधार सेवा केन्द्र गाजियाबाद के प्रभारी निशू शुक्ला बताते हैं कि ऐसे लोगों की संख्या भी खूब है कि जिनका आधार कार्ड बनने के बाद पता, मोबाइल नंबर या अन्य किसी तरह को कोई बदलाव नहीं हुआ है, ऐसे आधार कार्ड धारकों का केवाईसी नहीं होने पर आधार कार्ड लॉक किया जाएगा.आधार केन्द्रों के अनुसार करीब 60 फीसदी अभी भी ऐसे आधार हैं, जिनका केवाईसी अभी भी नहीं हुआ है. इनमें ज्यादातर ग्रामीण इलाकों के हैं. अगर इन लोगों ने समय रहते केवाईसी नहीं कराया तो आधार लॉक कर दिए जाएंगे. शहरों में रहने वाले ज्यादातर लोग ट्रांसफर होने या अन्य किसी वजह से एक बार आधार में संशोधन करा चुके हैं.

संक्षिप्त खबरें

अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोडना सरकार का लक्ष्य

पिथौरागढ़। विकसित भारत संकल्प यात्रा का दशाईथल पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिया। दशाईथल में कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक फकीर राम टम्टा ने किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोडना ही सरकार का लक्ष्य है। कहा कि सरकार ने संकल्प लिया है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है इसलिए हम सभी को भी अपने दायित्व का निर्वहन करना होगा। डीएम रीना जोशी ने कहा कि यात्रा का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति को योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कहा कि संकल्प यात्रा 26 जनवरी तक चलेगी। इस बीच जगह-जगह शिविरों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आमजन से शिविर का लाभ उठाने की अपील की। बाद में सूचना विभाग ने स्थानीय लोक कला के संवर्धन के लिए छह लोक कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जलागम छह समूहों कोआजीविका संवर्धन के लिए बकरी पालन व दो को राशन की दुकान के लिए चेक वितरित किए। यहां ब्लॉक प्रमुख अर्चना गंगोला, सीडीओ नंदन कुमार,पीडी आशीष पुनेठा, डीडीओ रमा गोस्वामी,एसडीएम भगत सिंह फोनिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय गौरव, सीईओ अशोक जुकरिया, प्रभारी समाज कल्याण अधिकारी दिलीप कुमार, डीपीआरओ हरीश आर्य, अधिशासी अभियंता सुरेश जोशी, मत्स्य अधिकारी रमेश चलाल, मुख्य कृषि अधिकारी रितू टम्टा, मुख्य उद्यान अधिकारी त्रिलोकी राय, निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष जयश्री पाठक, दर्पण कुमार, रमेश बोरा, भगवती मेहरा, कृष्ण बोरा, ललित उप्रेती, दिनेश धानिक, राकेश पाठक, केशर सिंह, मनोज नाथ आदि मौजूद रहे।

भगवानपुर तहसील दिवस में एक भी शिकायत का हल नहीं

रुडक़ी। भगवानपुर में मंगलवार को आयोजित तहसील दिवस में नयाब तहसीलदार प्रेम सिंह ने पिछले तहसील दिवस की समीक्षा की। इसके बाद लोगों की समस्याएं सुनीं। फरियाद लेकर पहुंचे ग्रामीण विजय कश्यप ने बताया कि वह पिछले काफी समय से अपनी समस्या के समाधान के लिए लगातार तहसील के चक्कर काट रहे हैं। बताया कि उसके खेत में जाने वाले रास्ता कुछ लोगों ने बंद कर दिया है। समस्या के समाधान के लिए वह कई बार तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर अपील कर चुका है। हर बार सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता है।

दुष्कर्म पीड़िता ने एसडीएम से लगाई गुहार, पुलिस नहीं कर रही आरोपी को गिरफ्तार

रुडक़ी। दुष्कर्म पीड़िता ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर आरोपी और उसके पिता के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करने की मांग की है। एसडीएम की ओर से मंगलौर और गंगनहर कोतवाली पुलिस को मामले में जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। पीलीभीत जिले के बीसलपुर कस्बे के मोहल्ला ग्यासपुर निवासी युवती ने एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि 25 नवंबर को नदीम पुत्र अकील उर्फ भुट्टू निवासी गांव पीरपुर कोतवाली मंगलौर ने हरिद्वार में नौकरी का झांसा देकर रुडक़ी बुलाया था। रेलवे स्टेशन रोड पर एक कमरे में ले जाकर उसे बंधक बनाकर नदीम ने दुष्कर्म किया था।

बसपा पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा

रुडक़ी। बहुजन समाज पार्टी के जिला पदाधिकारियों की बैठक में आगामी चुनावों को लेकर और संगठन की मजबूती के लिए चर्चा की गई। वहीं, कार्यकर्ताओं से बसपा सुप्रीमो की ओर से जारी किए गए एजेंडे पर काम करने का आह्वान किया। रामपुर में आयोजित बैठक के दौरान जिले के पदाधिकारी, प्रदेश महासचिव और पांच विधानसभा क्षेत्रों के पदाधिकारियों को जिलाध्यक्ष अनिल चौधरी ने बसपा अध्यक्ष मायावती की ओर से दिए गए दिशा निर्देशों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन पर काम करने की रूप रेखा तैयार की गई।

उत्तराखंड में कोरोना को लेकर स्वास्थ्य सचिव डॉ आर. राजेश कुमार ने जारी की एडवाइजरी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , प्रदेश सरकार कोविड-19 के नए वेरिएंट जेएन-1 को लेकर सतर्क हो गयी है। प्रदेश भर में कोरोना के इस नए वेरिएंट को लेकर एडवाइजरी जारी की गयी है। स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कुछ राज्यों में जेएन.1 वेरिएंट के रोगियों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में प्रदेश के सभी जिलों और अस्पतालों के लिए एडवाइजरी जारी की गयी है कि कोरोना की रोकथाम के लिए हरसंभव प्रयास किये जाएं।

स्वास्थ्य सचिव डा. आर. राजेश कुमार ने सभी जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश जारी किये हैं कि अस्पतालों में कोविड से बचाव के लिए जारी गाइडलाइन का पालन करें। साथ ही सांस, फेफड़े और हृदय रोगियों की निगरानी की जाएं और उनके इंन्फुएजा की जांच की जाए। अस्पतालों से ऐसे मरीजों की सभी जानकारी इंटीग्रेटिड हेल्थ इंफोरमेशन प्लेटफार्म पोर्टल में दर्ज करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

कोविड-19 के नए वेरिएंट जेएन-1 को लेकर अलर्ट

इसके साथ ही लोगों को श्वसन स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया जाएं।

गौरतलब है कि प्रदेश में अब तक कोविड-19 के नए वेरिएंट जेएन.1 का कोई मरीज नहीं है। एहतियात के तौर पर प्रदेश के सभी अस्पतालों को अलर्ट किया गया है। स्वास्थ्य सचिव डॉक्टर आर राजेश कुमार ने राज्य के समस्त जिला अधिकारी, समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी को पत्र लिखा है। कृपया उपर्युक्त विषयक सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संख्या DO.NO.2.28015/182/2021-DMCell दिनांक 18 दिसम्बर 2023 (संलग्न) का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा अवगत कराया गया है कि विगत कुछ दिनों में कुछ राज्यों में कोविड-19 के रोगियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इसी कम में जनपद स्तर पर कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए निरंतर निगरानी की जानी अतिआवश्यक है। हांलाकि कोविड-19 के वेरिएंट JN.1 (BA.2.86.1.1) का कोई भी रोगी उत्तराखण्ड राज्य में रिपोर्ट नही हुआ है।

यद्धपि सतर्कता की दृष्टि से भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपद स्तर पर निम्न कार्यवाही करने का कष्ट करें:-

1. भारत सरकार द्वारा प्रदत दिशा निर्देश ₹Operational guidelines for revised surveillance strategy in context of COVID-19₹ (संलग्न) का अनुपालन किया जाए।

2. जनपद स्तर पर Influenza like Illness (ILI)/Severe Acute Respiratory Illness (SARI) रोगियों की निगरानी की जाये।

3. पर्याप्त संख्या में ILI/SARI रोगियों की कोविड-19 एवं इन्फ्लुएंजा जाँच की जाएं। उक्त सभी रोगियों का विवरण अनिवार्य रूप से आई०डी०एस०पी० के अंतर्गत Integrated Health Information Platform (IHIP) पोर्टल में प्रविष्ट किया जाये।

4. कोविड-19 प्रबन्धन हेतु चिकित्सालय स्तर पर समस्त तैयारियां सुनिश्चित रखी जायें।

5. आम जनमानस में श्वसन स्वच्छता (Respiratory Hygiene) के प्रति जागरूकता हेतु विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाये।

6. ILI/SARI के लक्षण होने पर चिकित्सकीय परामर्श लेना तथा चिकित्सकीय परामर्श पर ही औषधि का सेवन करना। अतः उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

अब मटका बताएगा मौसम का हाल, ये है अजब-गजब परंपरा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 07 सितम्बर : सदियों से चली आ रही कई परंपराओं के बारे में आपने जरुर सुना होग। वहीं आज हम आपको एक ऐसी खास परंपरा के बारे में बताने वाले हैं। जिसे आप 'मटका' रस्म भी बोल सकते हैं। इसका इस्तेमाल राजस्थान में बारिश के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लिए किया जाता है।आपको बता दें कि , राजस्थान के सिरोही जिले में एक मटके के जरिए गांव के लोग बारिश के मौसम का अनुमान लगाते हैं। इस रस्म से वह पता लगाते हैं कि, आने वाला मौसम कैसा होगा,इस रस्म से यह पता चलता है कि इस वर्ष जमकर होगी बारिश या फिर अकाल पड़ेगा। इस परमपरा के हर साल एक खास दिन अक्षय तृतीया के मौके पर राजस्थान के सिरोही जिले के कई गावों में निभाई जाती है। इस परंपरा से गांव वाले बारिश के मौसम का अनुमान लगाते हैं। सिरोही के नजदीक रामपुरा गांव में इस रस्म को ग्रामीण सदियों से निभाते आ रहे हैं।

जानें परंपरा को निभाने का तरीकाबारिश के मौसम का पता लगाने कि इस विधि में सबसे पहले जमीन को गाय के गोबर से लीपा जाता है। उस के बाद इस पर गोल चौक बनाया जाता है, उसके बाद उस पर अक्षत कुमकुम आदि से रंगोली बनाई जाती हैं। फिर भगवान श्री गणेश को साक्षी मानकर दीपक जलाया जाता है। बाद में एक नए मिट्टी के घड़े में पानी भरा जाता है। चौक पर मटका पीटने वाली थापी (मटका बनाने वाला लकड़ी का औजार) रखा जाता है, इस औजार पर पानी से भरे मटके को रखा जाता है और मटके के भीतर विघ्न हरण भगवन गणेश को स्थापित किया जाता है।

इसके बाद किसी भी चुने हुए व्यक्ति को मटके पर बिठाया जाता है। इसके सात ही सारे गांव वाले सवाल पूछना शुरु करते हैं। इसके बाद पूछे गए सवाल के जवाब में मटका और उस पर बैठा शख्स घड़ी की सुई की दिशा में घूमे तो जवाब हां में है और अगर उल्टी दिशा में घूमे तो जवाब न में मान लिया जाता है।

पति ने बोला- चाय बना... जानिये फिर ऐसा क्या हुआ जो

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , शादी के बाद पति-पत्नी में वाद-विवाद होना बेहद सामान्य बात है, लेकिन हिंसक होना कतई स्वीकार्य नहीं है. बावजूद इसके देश की राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) के एक हैरान कर देने के साथ ही दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच चाय बनाने को लेकर विवाद हो गया और इसके बाद पति हिंसक हो गया. नाराज पति ने घर में रखी तलवार से पत्नी की गर्दन पर जोरदार वार किया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. वारदात को अंजाम देने के बाद पति मौके से फरार हो गया. वारदात की सूचना पड़ोसियों ने पुलिस को दी. वहीं, सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस आरोपी पति की तलाश में जुट गई है.

विवाद के बाद दिया वारदात को अंजाम

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी धर्मवीर गाजियाबाद के थाना भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव फजलगढ़ का रहने वाला है. घटनाक्रम के मुताबिक, मंगलवार सुबह चाय बनाने को लेकर करीब 6 बजे धर्मवीर का अपनी पत्नी सुंदरी (50) से विवाद हो गया. कहा जा रहा है कि पत्नी ने इतनी सुबह ठंड के चलते चाय बनाने को लेकर

थोड़ा समय मांगा था और इसी को लेकर विवाद हो गया. पत्नी के जवाब से नाखुश धर्मवीर ने अंदर रखी धारदार तलवार पत्नी पर हमला बोल दिया.

किचन में चाय बना रही थी तभी हुआ हमला

बताया जा रहा है कि पत्नी सुंदरी चूल्हे पर चाय बना रही थी. इस दौरान धर्मवीर के हमले में पत्नी की मौत हो गई. मिली जानकारी के अनुसार, सुंदरी और धर्मवीर के कुल पांच बच्चे हैं. यह भी पता चला है कि जब यह दिल दहला देने वाली घटना हुई, उस दौरान सभी पांचों बच्चे सो रहे थे. उधर, पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश जारी है, जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया है.

संक्षिप्त खबरें

गांववासी ने राजनीति में मूल्यों को दी प्राथमिकता

देहरादून। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. मोहन सिंह रावत गांववासी ने अपने जीवन यात्रा में राजनीति में मूल्यों को प्राथमिकता दी। वक्ताओं ने उनके आदर्श को जीवंत रखने पर बल दिया। स्व.गांववासी के देहरादून स्थित आवास में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। बीती आठ दिसंबर को गांववासी वैकुण्ठधाम की अनंत यात्रा पर चले गए थे। वक्ताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके व्यक्तित्व को महान बताया। कहा कि वे राजनीति के आदर्श थे। उन्होंने राजनीति में अपने पूरे जीवन काल में मूल्यों को प्राथमिकता दी। वे धर्म, दर्शन, अध्यात्म और राजनीति की जागती प्रतिमूर्ति थे। वक्ताओं ने उनके आदर्शों और मूल्यों को जीवंत रखने पर भी बल दिया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूड़ी, पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत, विधायक मुन्ना सिंह रावत, पूर्व आईएएस सुरेंद्र सिंह पांगती, प्रोफेसर सुभाष थलेड़ी, भाजपा नेता प्रकाश सुमन ध्यानी, दिगम्बर सिंह नेगी, भोपाल सिंह चौधरी, अतर सिंह असवाल, बदरी केदार मंदिर समिति के सदस्य भास्कर डिमरी, कांग्रेस नेता शीशपाल गुसाई के साथ ही सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश थपलियाल, डा. योगेश धस्माना, अभिषेक भंडारी, संजीव रौथाण, रवींद्र राणा,ऋषिराज डबराल आदि ने स्व. गांववासी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

समानता पार्टी देगी मूल निवास आंदोलन को समर्थन

देहरादून। उत्तराखंड समानता पार्टी 24 दिसंबर को परेड ग्राउंड में होने वाली मूल निवासी स्वाभिमान रैली को समर्थन देगी। मंगलवार को आमसभा की लोअर नत्थनपुर में हुई बैठक में ये निर्णय लिया गया। पार्टी के प्रमुख महासचिव चंदन सिंह नेगी ने बताया कि 31 दिसंबर 2023 को पार्टी का प्रथम द्विवार्षिक अधिवेशन मार्शल स्कूल ईसी रोड में आयोजित किया जाएगा। जिसमें राज्य हित के तमाम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

कांग्रेसियों ने किया स्मार्ट सिटी कार्यालय का घेराव

देहरादून। कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को गौलागढ़ रोड स्थित स्मार्ट सिटी लिमिटेड देहरादून के कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के अधूरे कार्यों को पूरा करने की मांग की गई। सीईओ स्मार्ट सिटी को ज्ञापन सौंपकर मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।

उत्तराखंड : यहां कीवी की खेती कर किसानों ने 1 साल में किया 60 लाख का कारोबार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

बागेश्वर 20 दिसंबर : उत्तराखंड के प्रगतिशील किसान अपनी मेहनत के दम पर नए कीर्तिमान बना रहे हैं। इसी कड़ी में एक अच्छी खबर बागेश्वर जिले से आई है। इस पहाड़ी जिले ने कीवी की बागवानी में क्रांति लाकर उत्पादन के सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले। एक साल में यहां 800 क्विंटल कीवी का उत्पादन हुआ। जिससे किसान को प्रति एकड़ भूमि से दो से ढाई लाख रुपये की आय प्राप्त हो रही है।

यह जानकारी जिला उद्यान अधिकारी आरके सिंह ने दी। उन्होंने आगामी दो वर्ष में कीवी का प्रतिवर्ष उत्पादन एक करोड़ रुपये तक पहुंचाने का दावा किया है। इस तरह बागेश्वर जिला कीवी की खेती के क्षेत्र में क्रांति का सूत्रधार बनेगा। जिले में कीवी का वार्षिक कारोबार 60 लाख रुपये तक पहुंच गया है, जिसे एक करोड़ रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। शामा गांव के सेवानिवृत्त शिक्षक यानी कीवी मैन भवान सिंह कोरंगा ने कीवी उत्पादन की पहल बीते चार साल पूर्व की थी। वर्तमान में वह हर वर्ष कीवी फलों से 15 लाख से अधिक की आय अर्जित कर रहे हैं।गांव के दूसरे किसान भी उनसे प्रेरणा लेकर कीवी की खेती शुरू कर चुके हैं और इससे अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। जिले में 140 किसान कीवी की बागवानी कर रहे हैं। कीवी फल जिले की आबोहवा में अच्छा फल-फूल रहा है। शमा, कौसानी, गरुड़ आदि स्थानों पर किसान कीवी की खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रहे हैं, जो कि जिले के साथ-साथ प्रदेश के लिए शुभ संकेत है।

किसानों की मांगों को लेकर हमेशा लड़ाई जारी रखेंगे : रघुवीर सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

छुटमलपुर 20 दिसंबर : भारतीय किसान यूनियन टिकैत के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत जी के द्वारा चौधरी रघुवीर सिंह को पश्चिम उत्तर प्रदेश का प्रवक्ता बनाये जाने पर आज अब्दुल हसीब मलिक के आवास पर उनका स्वागत किया गया इस अवसर पर मास्टर रघुवीर सिंह ने कहा कि वह विगत तीस वर्षों से किसान यूनियन से जुड़े हुए है किसानों की मांगो को लेकर हमेशा सड़क से संसद तक लड़ाई जारी रखेंगे इस अवसर पर हसीब मलिक ने किसानों को उनकी फसल के उचित दाम देने और फसलों का बीमा करने की अपील की अवसर पर युवा जिला अध्यक्ष नदीम अंसारी ने कहा कि किसानों को उनकी फसल के वाजिब दाम दिये जाने ज़रूरी है ।इस अवसर पर हकीम अकबर अली ,मनोज चौधरी ,सोहनवीर सिंह ,रामबीर सिंह ,पदम सिंह ,प्रधान इकराम अली ,फेसल मिर्ज़ा ,परवेज़ अंसारी ,जुल्फ़िकार मलिक ,छोटा ,मुकर्रम

अंसारी ,रहमान अंसारी ,महबूब तलहेड़ी ,वकील मलिक ,मास्टर शमीम ,मोहम्मद याकूब ,हाफिज यासिन ,मुज़म्मिल मिस्ट्री,अहसान ,अब्दुल हसन ,अहसान अली ,याहीया ,तालिब ,हाजी असलम राव यूसुफ़ ,धर्मेंद्र चौधरी ,पारस चौधरी ,आदि ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया

सिनेमा हॉल में सबसे अच्छी आवाज किस सीट पर आती है ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 20 दिसंबर , एनिमल और सैम बहादुर ने फिल्मों के शौकीनों के लिए ये महीना बेहतर कर दिया. इन दोनों फिल्मों ने इस महीने खूब कमाई की. कई सिनेमा हॉल में इन फिल्मों की वजह से हाउसफुल रहे. खैर, हम बात इन फिल्मों की नहीं बल्कि सिनेमा हॉल के उन सीटों की करने वाले हैं जहां से आपको आवाज सबसे बेहतर सुनाई दे और फिल्म सबसे अच्छी दिखाई दे. चलिए अब सिनेमा हॉल की सीटों का गणित आपको समझाते हैं.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

इस सवाल का जवाब हॉलीवुड के मशहूर निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन अपने एक इंटरव्यू में दिया था. उन्होंने कहा था कि जब आप सिनेमा हॉल में बैठ कर कोई अच्छी फिल्म देख रहे हों और अगर आपकी सीट खराब हो तो फिल्म का मजा कम आता है. वहीं अगर फिल्म अच्छी हो और सीट भी आपको सिनेमा हॉल में अच्छी मिल जाए तो फिल्म का मजा दोगुना हो जाता है. उन्होंने कहा कि जब मैं सिनेमा हॉल में मूवी देखने जाता हूं तो थर्ड रो की मिडल वाली सीट

को पसंद करता हूं.

आवाज किस सीट पर बेहतर आती है?

आवाज की बात करें तो सिनेमा हॉल पूरी तरह से साउंड प्रूफ होता है, यानी हॉल से आवाज बाहर नहीं जाती. यानी आप पूरे हॉल में कहीं भी बैठे रहें आपको आवाज एक बराबर ही आएगी. हां देखने में जरूर दिक्कत हो सकती है. इसलिए सिनेमा हॉल में जब भी जाएं कोशिश करें कि सीट का चुनाव देखने के लिहाज से करें. कुछ लोग पीछे की सीट भी पसंद करते हैं. दरअसल, पीछे की सीट पर डिस्टर्बेंस कम होती है और आप अपनी प्राइवेसी के साथ मूवी का आनंद उठा पाते हैं. वहीं कुछ थियेटर्स में रिकलाइनर सीट की सुविधा होती है, जिसे आप अपने हिसाब से सेट कर सकते हैं. यानी अगर आप पैर फैला कर देखना चाहते हैं या फिर लेट कर फिल्म देखना चाहते हैं तो आपके लिए रिक्लाइनर सीट सबसे बेस्ट है.

संक्षिप्त खबरें

विनीता भंडारी की संदिग्ध मौत की जांच के निर्देश

देहरादून। राज्य महिला आयोग ने टिहरी के मुनीकीरेती थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवती विनीता भंडारी की संदिग्ध मौत की जांच के निर्देश दिए हैं। आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने इस मामले में सख्त नाराजगी जताते हुए एसएसपी टिहरी से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। विनीता का अधजला शव चार दिसंबर को देहरादून रोड के जंगल में मिला था। वहीं आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल जो मृतका व उसके परिचित अर्जुन के मोबाइल की भी जांच के लिए निर्देशित किया है। वहीं पुलिस की ओर से अब तक की कार्रवाई की रिपोर्ट आयोग अध्यक्ष को सौंपी गई है। जिसमें जानकारी मिली है कि चार दिसम्बर को 10:48 पर विनीता भंडारी को एचएनबी मार्ग ढालवाला होते हुए पैदल नटराज चौक की ओर जाते हुए देखा गया था। जिसमे उसने दाहिने हाथ में एक पॉलिथीन भी देखी गयी है। मृतका की अंतिम कॉल भी अर्जुन से हुई है तथा उक्त से पूछताछ की जा रही है व सभी तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है।

एसटीएफ ने नशीले इंजेक्शन और चरस के साथ दो तस्कर दबोचे

देहरादून। एसटीएफ की एंटी नार्कोटिक्स टास्क फोर्स ने हरिद्वार जिले से नशीले इंजेक्शन और दून के पटेलनगर क्षेत्र से चरस की खेप के साथ तस्कर गिरफ्तार किया है। नशीले इंजेक्शन सहारनपुर जिले से तस्कर लेकर पहुंचा था। जबकि, चरस उत्तरकाशी से लाई गई। दोनों आरोपियों के खिलाफ नशा तस्करी को लेकर संबंधित थानों में मुकदमा दर्ज किया गया है। एसएसपी एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि सोमवार रात एक टीम ने हरिद्वार जिले के गंगनहर थाना क्षेत्र के पाडली गुज्जर रोड पर नशा तस्कर के पहुंचने की सूचना पर दबिश दी। वहां से हसीन पुत्र शकील निवासी नौजली, नांगल जिला सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से 550 प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन बरामद हुए। आरोपी के खिलाफ गंगनहर कोतवाली में केस दर्ज किया गया है। एएनटीएफ की दूसरी टीम ने पटेलनगर के पास पाम सिटी इलाके से नशा तस्कर गिरफ्तार किया। आरोपी से 467 ग्राम चरस मिली। उसकी पहचान दयाराम चौहान पुत्र सेंजीराम निवासी गंगाड, मोरी जिला उत्तरकाशी के रूप में हुई। आरोपी पटेलनगर थाना में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

बिहार में हुई मैराथन में उत्तराखंड के राणा ने मारी बाजी

देहरादून। बिहार में हुई मैराथन में उत्तराखंड के मुकेश राणा ने पहला स्थान हासिल किया है। नुथवावाला निवासी मुकेश राणा उत्तराखंड परिवहन निगम में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि मैराथन का आयोजन बिहार सरकार की ओर से किया गया, इसके माध्यम से नशामुक्ति का संदेश दिया गया। मैराथन में उन्होंने 50 से 60 वर्ष आयुवर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया है। 42.097 किमी की दूरी तीन घंटे 26 मिनट 20 सेकेंड में पूरी की है। इस मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ ही मुकेश राणा ने बोसटन मैराथन 2024 के लिए क्वालीफाई कर लिया है, उनकी इस उपलब्धि ने उत्तराखंड और उत्तराखंड परिवहन निगम का गौरव बढ़ाया है।

मूल निवास 1950 को लागू करे सरकार:उक्रांद

देहरादून। उत्तराखंड में मूल निवास की व्यवस्था को सख्ती से लागू करने को उक्रांद ने केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्ताव पास कर दिया है। पार्टी ने राज्य में मूल निवास की व्यवस्था को लागू करने पर जोर दिया। केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दूसरे दिन केंद्रीय अध्यक्ष पूरण सिंह कठैत ने कहा कि राज्य के मूल निवासियो की पहचान बचाए रखने को मूल निवास की व्यवस्था को लागू करना बहुत जरूरी हो गया है। ऐसा न हुआ, तो एक दिन पहाड़ के लोग अपनी मूल पहचान ही खो देंगे। जिस तरह राज्य के संसाधनों पर बाहरी लोगों का कब्जा होता जा रहा है, वो इस राज्य के भविष्य के लिए बहुत बेहतर संकेत नहीं हैं। कहा कि सरकार मूल निवास के लिए भी वर्ष 1950 को आधार बनाए। ताकि मूल निवास की मूल अवधारणा जीवित रहे। मूल निवास की व्यवस्था के साथ ही उत्तराखंड में सशक्त भू कानून को भी तत्काल लागू किया जाए। हिमाचल की तर्ज पर जब तक सशक्त भू कानून बना कर उसे लागू नहीं किया जाता, राज्य के लोगों के हित सुरक्षित नहीं रह सकते। सरकार को सर्वोच्च प्राथमिकता पर इन दोनों गंभीर विषयों पर फैसला लेना होगा। ऐसा न किए जाने पर उक्रांद राज्य के लोगों को लामबंद कर मुहिम चलाएगा। सरकार राज्य के सभी उद्योगों में मूल निवासियों को ही 80 प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित करे। सरकारी विभागों के टेंडर में स्थानीय ठेकेदारों को प्राथमिकता दी जाए। बाहर से आने वाले वाहनों पर ग्रीन टैक्स लगाया जाए।

गायत्री परिवार का 11 कुंडीय यज्ञ 21 से होगा शुरू

देहरादून। अखिल विश्व गायत्री परिवार की ओर से 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं पावन प्रज्ञा पुराण का आयोजन किया जाएगा। आयोजन जोगीवाला के रिंग रोड स्थित स्काई गार्डन में 21 से 24 दिसंबर तक चलेगा। प्रज्ञा मंडल जोगीवाला के मीडिया प्रभारी विनोद काला, एमएल जोशी ने बताया कि अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में प्रज्ञा मंडल यह आयोजन कर रहा है। 21 दिसंबर को प्रातः कलश यात्रा निकाली जाएगी। जो सुबह नौ बजे शुरू होगी, विभिन्न क्षेत्रों से होकर तीन बजे आयोजन स्थल पर पहुंचेगी। 22 को 11 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ ही संगीतमय प्रज्ञा पुराण कथा होगी। 23 को 11 कुंडीय यज्ञ के बाद विराट दीप यज्ञ और प्रज्ञा पुराण कथा होगी। जबकि 24 को महा पूर्णाहुति के बाद प्रसाद वितरण होगा। कहा कि गायत्री परिवार का उद्देश्य मनुष्य में देवत्व का उदय करना है, 'हम बदलेंगे, युग बदलेगा, हम सुधरेंग, युग सुधरेगा के जय घोष के साथ गायत्री परिवार निरंतर काम कर रहा है। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई। आयोजन की सफलता के लिए गायत्री परिवार से जुड़े लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

युवती को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म के तीन आरोपियों पर कोर्ट के आदेश पर मुकदमा

देहरादून। युवती को ब्लैकमेल कर दुष्कर्म के तीन आरोपियों के खिलाफ पीड़िता की सीधी शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया है। उसने मामले को लेकर कोर्ट में अपील की। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कैंट थाना क्षेत्र निवासी युवती ने कोर्ट में अपील की। कहा कि जून 2021 में उसकी मुलाकात मैक्स अस्पताल परिसर में अनिल निवासी आत्मानगर भिवानी रोड, जींद हरियाणा से हुई। दोनों के बीच बातचीत होने लगी। आरोपी ने पीड़िता से शादी का झांसा दिया। आरोप है कि इसके बाद अलग-अलग होटलों में ले जाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। इस बीच एक दिन पीड़िता आरोपी के साथ उसकी कार में कार में थी। कार में मोबाइल छोडक़र आरोपी दुकान पर चला गया। तब आरोपी अनिल के फोन पर एक फोन आया। पीड़िता ने उठाया तो सामने से एक महिला बोली। उसने खुद को अनिल की पत्नी बताया। कहा कि उनकी बेटी भी है। तब पीड़िता को आघात लगा।

5 हजार से अधिक महिलाओं को मिलेगा रोजगार : रेखा आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , उत्तराखंड में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए सीएम धामी ने एकल महिला योजना शुरू करने की घोषणा की थी. इसी को लेकर सोमवार को महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने विधानसभा भवन में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की. इस दौरान उन्होंने एकल महिलाओं को स्वरोजगार देने के लिए अधिकारियों को प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त करने और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए 75 प्रतिशत सब्सिडी की व्यवस्था को कैबिनेट में लाया जाएगा.

एकल महिलाओं में कौन हैं शामिल?

बता दें कि, एकल महिला में अविवाहित,निराश्रित, तलाकशुदा, एसिड अटैक महिलाएं शामिल हैं. रेखा आर्या ने इसके अलावा आंगनबाड़ी व मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता और सहायिकाओं के रिक्त पदों का ब्योरा भी मांगा है. साथ ही इन पर नियुक्ति के संबंध में प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए हैं. ऐसा इसलिए किया गया ताकि प्रदेश के किसी भी आंगनबाड़ी केन्द्र के संचालन में परेशानी न हो. वहीं, आगामी बालिका दिवस के अवसर पर मेधावी बालिकाओं को सम्मानित करने के लिए डेटा तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं.

5 हजार से अधिक महिलाओं को मिलेगा रोजगार

आंगनबाड़ी केंद्र में आने वाले दिनों में पांच हजार से अधिक महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा. राज्य में 5120 मिनी आंगनबाड़ी केंद्रों के आंगनबाड़ी केंद्र के रूप में उच्चीकृत करने के प्रस्ताव को भारत सरकार को भेजा जा चुका है. इसके तहत कुछ ही दिनों में मिनी आंगनबाड़ी केन्द्रों का उच्चीकरण हो जायेगा. फिर प्रत्येक में मिनी आंगनबाड़ी में एक-एक सहायिका की नियुक्ति की जाएगी.

विपक्षी दलों और जन संगठनों ने जनता की मांगों को लेकर उठाई आवाज

देहरादून। विभिन्न जन संघठनों की ओर से मंगलवार को दीनदयाल उपाध्याय पार्क में जनसभा आयोजित की गई। इस दौरान वक्ताओं ने मौजूद लोगों से अपने हक के लिए आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने मजदूरों को उनका हक देने, लोगों को बेघर नहीं करने, नफरती अभियानों पर रोक लगाने, वन अधिकार और भू अधिकार को सुनिश्चित करने समेत अन्य मांगों को प्रमुखता से उठाया। जनसंगठनों, विपक्षी दलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने काकोरी कांड के शहीदों को याद किया। वक्ताओं ने कहा सरकार नफरत नहीं रोजगार दे। सरकार पर आरोप लगाया कि दिहाड़ी मजदूरों के लिए बनाई गई योजनाओं पर अमल नहीं हो रहा। सरकार द्वारा बस्तियों के नियमितिकरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने कहा कि वन अधिकार और भू कानून को लेकर कदम नहीं उठाया जा रहा। बड़े पूंजीपतियों के हित में नई सर्विस सेक्टर नीति लाने की बात कही, जिसके अंतर्गत राज्य की जमीन 99 साल तक लीज पर निजी कंपनियों को दी जाएगी और उनको सब्सिडी के रूप में करोड़ों रुपये दिए जाएंगे। चेतना आंदोलन से शंकर गोपाल ने कहा कि 1925 में राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह खान और अन्य क्रांतिकारियों ने आजाद भारत के लिए अपनी जान इसलिए दी ताकि इस देश में लोकतंत्र, न्याय, भाईचारा और बराबरी स्थापित हो, लेकिन केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की वजह से ये सब अभी खतरे में हैं।

संपादकीय

सांसदों का निलंबन कितना जायज

नया संसद भवन और नया, अभूतपूर्व आदेश...एक ही दिन में, एक साथ, लोकसभा और राज्यसभा के 78 सांसदों को निलंबित कर दिया गया। लोकसभा के 33 और राज्यसभा के 45 विपक्षी सांसदों को यह सजा स्पीकर और सभापति ने दी है। इससे पहले 14 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया था। मंगलवार को लोकसभा के 49 और विपक्षी सांसदों को निलंबित कर दिया गया। इनमें हिमाचल के मंडी की सांसद प्रतिभा सिंह भी शामिल हैं। इस तरह शीतकालीन सत्र में ही कुल 141 विपक्षी सांसदों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ये अत्यंत क्रूर और एकाधिकारवादी फैसले हैं। स्पीकर और सभापति के अपने विशेषाधिकार होते हैं। हम संसदीय कार्यवाही के निरंतर साक्षी रहे हैं। सदन में हंगामा, नारेबाजी, पोस्टरबाजी और अध्यक्ष के आसन तक पहुंच कर विरोध-प्रदर्शन कब नहीं किए गए? हमें तो ये संसदीय लोकतंत्र के हिस्से लगते हैं। जब भाजपा विपक्ष में थी, तो कई कथित घोटालों पर कई-कई दिन तक, संसद की कार्यवाही चलने नहीं दी जाती थी। हंगामे इतने उग्र और बुलंद होते थे कि हमें लिखना पड़ता था-संसद को अखाड़ा न बनाएं। यह संसद है या कोई मंडी...! संसद का औचित्य ही क्या है? लेकिन फिर भी ऐसे आदेश कभी नहीं दिए गए कि सांसदों को पूरे सत्र के लिए ही निलंबित कर दिया गया हो! वर्ष 1989 में राजीव गांधी की सरकार थी। तब पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से जुड़ी ठक्कर आयोग की रपट पर विपक्ष ने हंगामा मचाया था, तो 63 सांसद निलंबित किए गए थे। वह पराकाष्ठा थी। उसके बाद 2004- मई, 2014 के दौरान कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के 10 सालों में भी 50 विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया, लेकिन 2014-23 के कालखंड में मोदी सरकार के दौरान अभी तक 201 विपक्षी सांसदों का निलंबन किया जा चुका है। लोकसभा के 3 और राज्यसभा के 11 सांसदों का मामला विशेषाधिकार समिति को सौंपा गया है। उसकी रपट तीन माह में आ सकती है, लिहाजा विपक्षी सांसद तब तक निलंबित रहेंगे। शीतकालीन सत्र ही मौजूदा लोकसभा का अंतिम सत्र है। उसके बाद तो फरवरी में लेखानुदान पेश किया जाएगा और पूर्ण बजट जुलाई में प्रस्तुत हो सकेगा। बेशक विपक्ष ने अमर्यादित आचरण किए हैं। हंगामा ही नहीं, आक्रोश और गुस्से में नियमों की किताब तक फाड़ी है। आसन के माइक उखाड़ने तक की हरकतें की गई हैं। सदन में तख्तियां लहराना तो आम बात है। मेजों पर चढक़र सांसदों ने नृत्य तक किए हैं। यहां तक कि राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने सभापति जगदीप धनखड़ का निर्देश तक मानने से इंकार कर दिया। लोकसभा में कांग्रेस संसदीय दल के नेता, एक किस्म के नेता विपक्ष, अधीर रंजन चौधरी तक को निलंबित कर दिया गया है। दरअसल हम न्यायाधीश नहीं हैं, लेकिन संसद और लोकतंत्र के सजग प्रहरी जरूर हैं। विपक्ष की प्रभावी मौजूदगी के बिना संसद 'विकलांग' लगती है। जनादेश सभी चुने हुए सांसदों ने हासिल किए थे।

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी, **कार्यकारी संपादक :** आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002, **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094
Cert. Ser. No. : 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

समय रहते अगर युवा नहीं जागा, तो उड़ता उत्तराखंड बन जाएगी देवभूमि : ललित जोशी

300 छात्र छात्राओं ने लिया नशामुक्त उत्तराखंड बनाने का संकल्प

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड 20 दिसंबर : मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के बैनर तले सजग इंडिया के तहत नशे के खिलाफ चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान को जारी रखते हुए आज मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष ललित मोहन जोशी ने टिहरी गढ़वाल जनपद के दूरस्थ क्षेत्र राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज रगड़गांव जौनपुर टिहरी गढ़वाल के विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए कहा कि किसी भी तरह का नशा इंसान को शारीरिक मानसिक से कमजोर करता है। जिस देश का युवा नशे की गिरफ्त में होगा फिर उस देश के लिए एक समृद्ध राष्ट्र की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने आगाह किया कि आज कुछ विदेशी ताक़तें हमारे देश के युवाओं को नशा रूपी जाल में फँसाना चाहते हैं, जिससे कि वह हमारे देश के युवाओं को उनके लक्ष्य से भटकाकर देश की जड़ों को कमजोर कर सकें। उन्होंने बताया कि आतंकवाद को सबसे ज़्यादा फंडिंग नशे के कारोबार से होती है। जाने- अनजाने में नशा करने वाले युवा आतंकवाद को बढ़ावा देते है। अतः हम सब को नशा मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिये। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता व गुरूजनों द्वारा बताई गई बातों का अनुकरण कर उन्हें जीवन में अपनाने की अपील की।

नशे के सौदागर युवाओं को कर रहे है टारगेट

ललित जोशी ने राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज रगड़गांव की टीम को सम्मानित भी किया। और दौरान घोषणा की कि क्विज प्रतियोगिता की विजेता टीम के सदस्यों सहित इस स्कूल के 10 छात्र-छात्राओं को वह अपने शिक्षण संस्थान सीआईएमएस एंड यूआईएचएमटी ग्रुफ ऑफ कॉलेज देहरादून में मिशन एजुकेशन स्कीम के तहत निशुल्क उच्च शिक्षा प्रदान करेंगे। इस दौरान राज्यस्तरीय क्विज प्रतियोगिता के राज्य समन्वयक देवानन्द देवली, व देहरादून जिला समन्वयक डॉ. एस. एस. राणा उपस्थित रहे तथा इस दौरान संस्थान के 300 छात्र छात्राओं ने नशा मुक्त रहने की प्रतिज्ञा भी ली।

बता दें कि मानवाधिकार संरक्षण एवं भ्रष्टाचार निवारक समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मोहन जोशी विगत 15 से अधिक वर्षों से नशे के खिलाफ जन-जागरूकता अभियान चला रहे हैं। इस दौरान वह प्रदेश भर में 7 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं से सजग इंडिया के माध्यम से युवा संवाद कार्यक्रम के माध्यम से सीधा संवाद कर चुके हैं।

खेल महाकुंभ युवा खिलाड़ियों के लिए एक उत्कृष्ट मंच : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 20 दिसंबर , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज रायपुर, देहरादून में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का शुभारंभ किया। राज्य के सभी जनपदों से राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में प्रतिभाग करने आये खिलाड़ियों के बीच जाकर मुख्यमंत्री ने उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को स्पोर्ट्स किट प्रदान की जाएगी। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ के शुभारंभ के अवसर पर बालक वर्ग की 800 मीटर दौड़ स्पर्धा के प्रथम तीन स्थान पाने वाले खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री ने पुरस्कृत भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। खेल टीमवर्क से कार्य करने का अवसर प्रदान करते हैं। राज्य स्तर पर आयोजित होने वाला यह खेल महाकुंभ उत्तराखण्ड के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है। पंचायत स्तर, ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर खेलने के बाद खिलाड़ियों को राज्य स्तर पर इस खेल महाकुंभ में अपनी खेल प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। खेल महाकुंभ का उद्देश्य प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर की बड़ी खेल प्रतियोगिताओं के लिए भी तैयार करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड में होने वाले आगामी 38वें राष्ट्रीय खेल, उत्तराखंड की खेल प्रतिभाओं के विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए विभिन्न अवस्थापना सुविधाएं तैयार करना प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके अंतर्गत राष्ट्रीय खेल सचिवालय का गठन किया गया है, जिससे इन खेलों का संचालन बेहतर रूप से किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों को तेजी से बढ़ावा मिला है। भारत ने हाल में चीन में संपन्न हुए एशियाई खेलों में रिकार्ड 107 पदक जीते। नए जोश के साथ भारत 2030 ''युवा ओलंपिक'' और 2036 में ''ओलंपिक'' खेलों की मेजबानी के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में खेलों का बजट भी पहले के मुकाबले तीन गुना हो चुका है। उत्तराखण्ड में भी गांव से लेकर शहर तक के युवा खिलाड़ियों के लिए अभिनव प्रयोग किये जा रहे हैं। हरिद्वार बने फ्लाईओवर के नीचे खाली पड़ी जगह का प्रयोग कर वहां बैडमिंटन कोर्ट, बास्केटबाल कोर्ट, ओपन जिम बनाये जा रहे हैं। सरकार युवा खिलाड़ियों के लिए नौकरियों में खेल कोटे को भी पुनः प्रारंभ करने के लिए प्रयासरत है। राज्य सरकार प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे सरकारी नौकरी भी देने जा रही है। नई खेल नीति में राज्य के युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए उचित आर्थिक प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आगामी राष्ट्रीय खेलों के लिए सभी तैयारियां तेजी से की जाए। खिलाड़ियों की डाइट से लेकर उनके रहने व हर सुविधा की व्यवस्थाएं की जाए। उत्तराखण्ड में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में राज्य का अच्छा प्रदर्शन हो, इसके लिए अभी से अच्छे खिलाड़ियों की खोज कर उनके बेहतर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि टीम वर्क के साथ हमें उत्तराखंड को खेलों में आगे लेकर जाना है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस खेल महाकुंभ में प्रतिभाग कर रहे हमारे युवा खिलाड़ी अगले वर्ष होने वाले राष्ट्रीय खेलों के साथ ही भविष्य में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखण्ड का ही नहीं बल्कि देश का नाम रोशन करेंगे।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य में तेजी से कार्य हो रहे हैं। राज्य में नई खेल नीति लागू की जा चुकी है। जिसमें खिलाड़ियों को हर संभव सुविधा देने के प्रयास किये गये हैं। राज्य में 08 से 14 वर्ष की आयु के लगभग चार हजार खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन खेल छात्रवृत्ति दी जा रही है। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना से राज्य में 14 से 23 वर्ष के 2600 खिलाड़ियों को लाभान्वित किया जा रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए स्पोर्ट डेवलपमेंट फंड बनाया जा रहा है। चम्पावत के लोहाघाट में गर्ल्स स्पोर्ट कॉलेज बनाया जा रहा है। इस अवसर पर विधायक उमेश शर्मा 'काऊ', विशेष प्रमुख सचिव खेल अमित सिन्हा, खेल निदेशक जितेन्द्र सोनकर एवं खेल विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

यातायात नियम का उल्लंघन करने वाले हो जाएं सावधान : एसएसपी देहरादून

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 20 दिसंबर : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा जनपद देहरादून में यातायात के सुचारू संचालन तथा आम-जनमानस को यातायात बाधित होने से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से बचाने हेतु ड्रोन कंट्रोल रूम की सहायता से ऐसा आचरण करने वाले वाहन चालकों/अस्थाई अतिक्रमण/ठेली के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु आपरेशन स्फ्लाइंग हॉकस चलाया जा रहा है। जिसमें किसी भी वाहन चालक द्वारा यातायात को बाधित किये जाने अथवा नो पार्किंग क्षेत्रों में अपना वाहन खडा करते ही ड्रोन के माध्यम से वाहन स्वामी के सम्बन्ध में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त करते हुए तत्काल वाहन स्वामी से सम्पर्क कर उन्हें अपना वाहन वहां से हटाने तथा निर्धारित पार्किंग स्थलों पर पार्क करने हेतु निर्देशित किया जा रहा है।

- देहरादून एसएसपी ड्रोन कैमरे की बारीक नजर-यातायात नियमों का उल्लघंन व अतिक्रमण करना पड़ रहा भारी
- यातायात नियमों के उल्लंघन करने वालों के ड्रोन कैमरे की मदद से किये जा रहे हैं ताबड़तोड़ चालान
- मार्गो पर अस्थाई अतिक्रमण/ठेली आदि को ड्रोन कंट्रोल रूम से निगरानी कर कराई जा रही सक्त कार्यवाही

इसके उपरान्त भी वाहन चालकों द्वारा वाहन को सुव्यवस्थित रूप से पार्क नहीं किये जाने तथा यातायात को अवरूद्ध करने की दशा में तत्काल ड्रोन कन्ट्रोल रूम के माध्यम से किये जा रहे हैं चालान।साथ ही साथ मुख्य मार्गो मैं अस्थाई अतिक्रमण/ठेली आदि को हटाए जाने हेतु निगरानी कर ड्रोन कंट्रोल रूम द्वारा सीठे थानों को सूचित कर कराई जा रही सक्त कार्यवाही।

संक्षिप्त खबरें

गुरुद्वार श्री सिंह सभा ने डाबर को दायित्व मिलने पर दी बधाई

देहरादून। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार के प्रतिनिधि मंडल व समाज सेवियों ने भाजपा नेता विश्वास डाबर से उनके घर जाकर मंगलवार को मुलाकात की। उन्होंने डाबर को अवस्थापन अनुषरण विभाग का उपाध्यक्ष बनने पर बधाई एवं शुभकामनायें दी द्य इस अवसर पर गुरूद्वारे के महासचिव सरदार गुलज़ार सिंह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एवं भाजपा संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंजाबी समाज से विश्वास डाबर को राज्यमंत्री का दर्जा देकर सभी वर्गो को साथ लेकर चलने का कार्य कर रहे हैं द्य पूर्व पार्षद देवेंद्र पाल सिंह मोंटी ने सरकार का आभार जताते हुए कहा कि पंजाबी समाज हमेशा देश हित के लिए अग्रिम पंक्ति में रहता है, सिख एवं पंजाबी समाज आपको हमेशा सहयोग देता रहेगा हम भी समाजिक कार्यों के लिए आपके पास जनहित के लिए आएंगे द्य इस दौरान देवेंद्र सिंह भसीन, सेवा सिंह मठारु, श्री गुरु सिंह सभा प्रधान गुरबख्श सिंह राजन, चरणजीत सिंह चन्नी, अशोक वर्मा, सतनाम सिंह, गुरप्रीत सिंह जोली और अमरदीप सिंह आदि शामिल थे द्य

बेरोजगारों ने की पुलिस भर्ती की वेटिंग लिस्ट जारी करनी की मांग

देहरादून। बेरोजगारों ने हाल में हुई पुलिस कांस्टेबल भर्ती में वेटिंग लिस्ट जारी करने की मांग की है। उन्होंने कांस्टेबल भर्ती में आयु सीमा बढ़ाने की भी मांग की। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल इन मांगों को लेकर मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में आईजी कार्मिक विम्मी सचदेवा से मिला। संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार ने कहा कि साल 2022 में फायरमैन के 445 पदों पर भर्ती निकली थी। जिसमें पुरूषों के लिए 312 पद थे और महिलाओं के लिए 133 पद थे। लेकिन आयोग की गलती की वजह से 321 महिलाओं को फायरमैन में नियुक्ति दे दी गई। सिर्फ 124 पुरूष अभ्यर्थियों का ही चयन हो सका। अब इन सभी महिला अभ्यर्थियों को फायरमैन की ट्रेनिंग कराकर फायरमैन पुलिस से हटाकर नागरिक पुलिस में भेजा जा रहा है। बॉबी पंवार ने कहा कि नए शासनादेश को भी देख लिया जाए तो विभिन्न विभागों की वेटिंग नहीं निकाले जाने का प्रावधान है, लेकिन पुलिस विभाग एकल विभाग है जिसमें वेटिंग निकाले जाने का प्रावधान है। ऐसे में जल्द पुलिस कांस्टेबल की वेटिंग निकाली जाए। इसके साथ ही बेरोजगार संघ ने पुलिस दारोगा की विज्ञप्ति जल्द जारी करने की मांग की। जिसको लेकर पुलिस कहा गया कि पुलिस मुख्यालय से विज्ञप्ति लोकसेवा आयोग को भेजी जा चुकी है। बेरोजगारों ने उत्तराखंड पुलिस कांस्टेबल में इस बार उम्र सीमा बढ़ाने की भी मांग की। मिलने वालों में इस दौरान बेरोजगार संघ के अध्यक्ष बॉबी पंवार, उपाध्यक्ष राम कंडवाल, अखिल तोमर, प्रशात नेगी आदि मौजूद रहे।